

बिहार सरकार
उद्योग निदेशालय

पत्रांक... 29/आ/19/27

पटना, दिनांक... 19.11.18

सं० सं०-05/उ० नि० ब० (आवंटन) 05/2018

प्रेषक,

पंकज कुमार सिंह,
उद्योग निदेशक, बिहार।

सेवा में,

महाप्रबंधक,
जिला उद्योग केन्द्र, गया/बक्सर/मधुबनी/नवादा

विषय :-

मुख्य शीर्ष-2851-ग्राम तथा लघु उद्योग, उपमुख्य शीर्ष-00, लघुशीर्ष-102-लघु उद्योग, मांग संख्या-23, उपशीर्ष-0001-प्रदर्शन केन्द्र, विपत्र कोड-23-2851.00.102.0001 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 में स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय हेतु रू० 3,40,700/- (तीन लाख चालीस हजार सात सौ रुपये) मात्र का आवंटन।

महाशय,

उक्त बजट शीर्ष के अधीन चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय हेतु रू० 3,40,700/- (तीन लाख चालीस हजार सात सौ रुपये) मात्र का आवंटन स्वीकृत किया जाता है।

2

इस राशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में आय-व्ययक शीर्ष-2851-ग्राम तथा लघु उद्योग, उपमुख्य शीर्ष-00, लघुशीर्ष-102-लघु उद्योग, मांग संख्या-23, उपशीर्ष-0001-प्रदर्शन केन्द्र, विपत्र कोड-23-2851.00.102.0001 से निम्न सारणी के अनुरूप विकलित होगा :-

क्र०	कार्यालय/निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी	मदवार आवंटित राशि (रू०)						कुल योग
		यात्रा व्यय 0001.11.01	विद्युत प्रभार 0001.13.04	विधि प्रभार 0001.13.05	भाड़े की गाड़ी का भुगतान 0001.13.10	प्रकाशन एवं मुद्रण 0001.16.01	विज्ञापन और प्रकाशन 0001.26.01	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	जि०उ०के०, गया	0	0	50000	0	10000	40000	100000
2	जि०उ०के०, बक्सर	48000	0	0	0	0	0	48000
3	जि०उ०के०, मधुबनी	0	15000	0	0	5000	4000	24000
4	जि०उ०के०, नवादा	0	0	0	168700	0	0	168700
5	योग	48000	15000	50000	168700	15000	44000	340700

3

राशि की निकासी वित्त विभाग के ज्ञापक 2561 वि०(2) दिनांक 17 अप्रैल, 1998 के आलोक में ही की जाय तथा उक्त परिपत्र के प्रत्येक अनुदेश का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4

राशि की निकासी करते समय निम्नांकित बिन्दुओं का विशेष ध्यान रखा जाय :-

(क) योजना की स्वीकृति के आधार पर तथा वित्त विभाग के उक्त परिपत्र में निर्धारित अधिसीमा तक ही व्यय किया जाय।

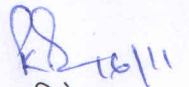
(ख) एक इकाई की राशि दूसरी इकाई में व्यय नहीं की जाय।

(ग) निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी का यह दायित्व है कि वित्त नियमावली के भाग-1 के नियम 475 का अनुपालन दृढ़तापूर्वक करें ताकि व्यय पर नियंत्रण रखा जा सके और किसी भी हालत में प्रावधानित राशि से अधिक व्यय नहीं होने पाए।

(घ) व्यय प्रतिवेदन व्यय के तुरंत बाद टी० भी० नं०/बिल नं० एवं मासिक CTMIS प्रतिवेदन के साथ अधोहस्ताक्षरी को निश्चित रूप से उपलब्ध करा दें।

(च) 2018-19 का प्रत्यर्पण प्रतिवेदन 15 मार्च 2019 तक अवश्य भेज दें।

विश्वासभाजन


उद्योग निदेशक
बिहार, पटना।

